

दिनांक 15/03/23

क्रमांक एवं
आदेश की तिथि
9

अपर उपायुक्त का न्यायालय, साहेबगंज
आर०एम०पी० वाद सं० - 09/2011-12
मुंशी ठाकुर बेसरा वगैरह - अपीलार्थी
-बनाम-
हड़मा बेसरा - उत्तरवादी
२

आदेश पर की
गई कार्यवाही के
बारे में टिप्पणी
तारीख सहित
३

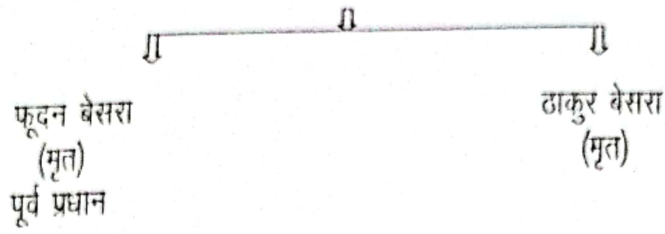
15/03/23

अभिलेख उपस्थापित।
प्रस्तुत वाद, उपायुक्त साहेबगंज के न्यायालय में
सुनवाई के उपरांत अपर उपायुक्त के न्यायालय में निष्पादन हेतु दिनांक -
12.01.12 को अंतरित किया गया।
तत्कालीन अपर उपायुक्त द्वारा इस वाद में विभिन्न तिथियों पर सुनवाई की
गई है।
संबंधित वाद प्रधानी मौजा आमडंडा अंचल - पतना के
प्रधानी बहाली से संबंधित है जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल द्वारा
पी०ए० केस नं० - 13/08-09, दिनांक - 27.06.2008 के द्वारा उत्तरवादी
हड़मा बेसरा को ग्राम प्रधान की नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है उक्त
आदेश के आलोक में अपीलार्थी द्वारा अपील दायर किया गया है।
अधोहस्ताक्षरी स्तर से दिनांक - 12.04.22 से वाद की सुनवाई प्रारंभ की गई
है। उभय पक्ष को सुनवाई हेतु नोटिस निर्गत किया गया।
अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता द्वारा समर्पित Note of
Arguement से निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट होता है। मौजा आमडंडा अंचल
पतना जमाबंदी सं० - 41 के जमाबंदी रैयत फागु बेसरा है जिनकी वंशावली
इस प्रकार है। वंशावली के अनुसार अपीलार्थी खतियान रैयत के वंश वृक्ष में
आते हैं।

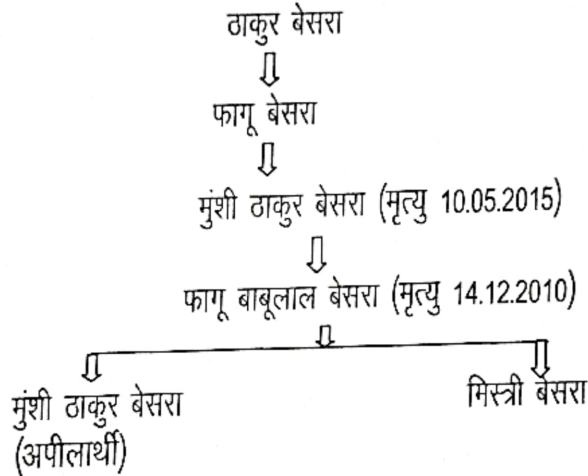
102

वंशावली की विवरणी इस प्रकार है -

1) फागू बेसरा (R.T)



- पौलूस बेसरा (नावल्द मृत)
- मसि बेसरा (नावल्द मृत)
- दानियल बेसरा (नावल्द मृत)
- सोमाय बेसरा (नावल्द मृत)
चुड़की किस्कू (पत्नी)
नावल्द मृत्यु
08.07.2008



उक्त वंशावली के आलोक में अपीलार्थी खतियानी रैयत के वंश वृक्ष में आते हैं तथा संधाल परगना काश्तकारी अधिनियत 1949 की धारा 05 के तहत प्रधान बहाली हेतु सुयोग्य दावा रखते हैं। इसी वंश वृक्ष की चुड़की किस्कू, पति - सोमाय बेसरा पूर्व चयनित प्रधान जिनकी मृत्यु 08.07.2008 को हो चुकी है उनके द्वारा भी मुंशी ठाकुर बेसरा को प्रधान नियुक्ति हेतु अनुशंसा की गई है। इसके बावजूद निम्न न्यायालय द्वारा पी0ए0 केस नं0 में उत्तरवादी को गलत एवं गैरकानूनी तरीका से आमडंडा मौजा का प्रधान नियुक्ति किया गया है। इस नियुक्ति में 16 आना जमाबंदी रैयतों को सूचना भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। वल्कि उत्तरवादी के आवेदन पर ही कार्यवाही प्रारंभ कर गलत एवं गैर कानूनी तरीका से आदेश पारित किया गया है।

m

उत्तरवादी के विज्ञ अधिवक्ता के माध्यम से समर्पित Note of Argument का अवलोकन किया जो अपीलार्थी की ओर से समर्पित वंशावली से विल्कुल भिन्न है। समर्पित Note of Argument के अनुसार पूर्व प्रधान चुड़की किरकू पति स्व० सोमाय बेसरा का अधिक उम्र और अस्वस्थ होने के कारण प्रधानी कार्य में सहयोग उत्तरवादी के द्वारा किया गया है तथा चुड़की किरकू के मृत्यु के उपरान्त ईसाई रितिरिवाज से अंतिम संस्कार उत्तरवादी द्वारा किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल द्वारा Spt Act 1949 की सुसंगत धारा को ध्यान में रखकर उत्तरवादी को प्रधान नियुक्त किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल द्वारा दिनांक 27.06.08 का निर्गत प्रधानी पट्टा 15 वर्ष के लिए निर्गत है। उभय पक्ष को विज्ञ अधिवक्ता का वयान एवं Not of Argument अवलोकन के बाद निम्न लिखित तथ्य स्पष्ट होते हैं।

1 मौजा आमडंडा, अंचल पतना प्रधानी मौजा है जिसके जमाबन्दी सं 41 के खतियानी रैयत फागु बेसरा के वंश वृक्ष में चुड़की किरकू पति स्व० सोमाय बेसरा एवं अपीलार्थी भी आते हैं परन्तु उत्तरवादी का नाम अपीलार्थी द्वारा समर्पित वंशावली में अंकित नहीं है।

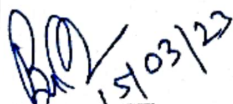
2 उत्तरवादी द्वारा समर्पित वंशावली में स्व० चुड़की किरकू (पूर्व प्रधान) पति स्व० सोमाय बेसरा (पूर्व प्रधान) एवं अपीलार्थी का नाम अंकित नहीं है। जबकि लिखित Statement में स्व० चुड़की किरकू की चर्चा की गई है।

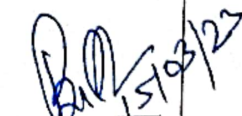
3 चुड़की किरकू द्वारा दिनांक 06.05.08 को मौजा आमडंडा अंचल पतना के ग्राम प्रधान की बहाली के लिए मुंशी ठाकुर बेसरा का नाम प्रस्तावित की है। इसके साथ उससे अपने चाचा ससूर के छरपोता हाडमा बेसरा पिता शिव बेसरा को प्रधान नियुक्ति हेतु भी प्रस्तावित किया है। अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल द्वारा दिनांक 27.06.08 को निर्गत पट्टा 15 वर्ष के लिए निर्धारित की गई है जिसकी कालावधि समाप्त हो चुकी है।

उक्त स्थिति में वर्तमान कार्यरत प्रधान के विरुद्ध जमाबंदी रैयतों की आपत्ति प्राप्त करने की स्थिति में अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल द्वारा ग्राम आमडंडा अंचल पतना के ग्राम प्रधान की नियुक्ति हेतु संचाल परगना काश्तकारी अधिनियम की सुसंगत धारा के तहत 16 आना रैयत की सहमति एवं विधिक प्रक्रिया अपनाते हुए प्रधान बहाली का कार्य पूर्ण करने की कार्यवाही उचित एवं युक्ति संगत प्रतीत होता है। वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है,

आदेश की प्रति उभयपक्ष को भेजें।

लेखापित एवं संशोधित।


अपर उपायुक्त,
साहेबगंज।


अपर उपायुक्त,
साहेबगंज।